

होम

एलेक्सा और वीडियो के जरिए शिक्षा को आसान बना रहा है बेंगलुरु का यह स्टार्टअप



Learning Matters के फाउंडर्स

दक्षिण बेंगलुरु उपनगर के एक शांत लेन में लर्निंग मैटर्स ऑफिस में, दो लोग इंग्लिश ग्रामर की बारीकियों को समझाने के लिए अमेज़ॉन के वर्चुअल असिस्टेंट एलेक्सा की स्पीच रिकग्निशन कैपेबिलिटीज की टेस्टिंग कर रहे हैं। तारा (Tara) यहां सेशन चलाती है। ये तारा कोई लड़की नहीं बल्कि एक डायनमिक, वॉइस-असिस्टेड वर्चुअल टीचर है। जब आप किसी सवाल का जवाब सही देते हैं, तो वह आपकी तारीफ भी करती है। जब आप किसी का उत्तर गलत पाते हैं, तो वह धैर्य से बताती है कि यह गलत क्यों था और सही उत्तर क्या था। तारा, राममूर्ति जी (उर्फ मूर्ति), गौरी महेश और सरस राममूर्ति द्वारा 2016 में स्थापित बेंगलुरु-आधारित एडटेक स्टार्टअप द्वारा निर्मित कई क्रिएटिव प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों में से एक है।

लर्निंग मैटर्स की एबीसी

सरस और गौरी स्कूल के दोस्त हैं उन्होंने मूर्ति के साथ पियर्सन में काम किया, जिसने विश्व प्रसिद्ध अकादमिक प्रकाशक के लिए डिजिटल शिक्षण सामग्री तैयार की। मूर्ति ने आईटी में अपने करियर से आगे बढ़कर एजुकेशन में काम करने के लिए एसेन्चर जैसी कंपनियों में काम किया, पहले ट्यूटर विस्टा के साथ काम किया, जिसे अंततः पियर्सन ने खरीद लिया।

उनके बीच, भारत में एक प्रमुख समस्या को हल करने के लिए आवश्यक सभी स्किल्स थीं जैसे सस्ती दरों पर उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी स्कूलों में। एक दशक से अधिक समय तक इस क्षेत्र में काम करने के बाद, उन्हें लगा कि तकनीक का उपयोग करके बहुत कुछ किया जा सकता है, लेकिन कोई भी ये चुनौती लेने को तैयार नहीं हो रहा है। एक दुखद सच्चाई ये भी है कि कोई भी अभिभावक जो अपने बच्चे को एक निजी, इंग्लिश मीडियम स्कूल में भेजना अफोर्ड कर सकता है, वह ठीक वही करता है। हालांकि, उनके सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के कई स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होना काफी बाकी है।

मूर्ति ने छात्रों के लिए लर्निंग को और अधिक आकर्षक बनाकर स्कूली शिक्षा को बदलने के अपने विचार के बारे में गौरी और सरस को बताया, ताकि वे नए कॉन्सेप्ट को समझ सकें और उन्हें लागू कर सकें। इसका नतीजा निकला लर्निंग मैटर्स, जिसे 2016 के मध्य में आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया था। यह दूरस्थ, ग्रामीण और अर्ध-शहरी स्कूलों में शिक्षकों और छात्रों को उपकरण प्रदान करता है।

सीखने की समस्या की जड़ तक पहुँचना

लर्निंग मैटर्स चार (संबंधित) प्रोडक्ट ऑफर करता है: स्टार शिक्षक कार्यक्रम, स्टार शिक्षक टूल बॉक्स, तारा (क्लाउड-आधारित, एनएलपी-संचालित वॉइस-असिस्टेड वर्चुअल टीचर), और केंगिन (Kengine) एक प्रकार की ग्लोबल वीडियो लाइब्रेरी जो दुनिया भर से लर्निंग वीडियो को भारतीय भाषाओं में डब करके सीखने के लिए उपलब्ध कराते हैं।

केंगिन उनका पहला प्रोडक्ट था - एक डिजिटल कंटेंट प्लेटफॉर्म जो कॉन्सेप्ट बताता है, शिक्षण और सीखने के अनुभव को ट्रांसफॉर्म करता है। केंगिन पर वीडियो किसी भी डिवाइस पर चलाए जा सकते हैं, और शिक्षकों को उनके लेसन को सिखाने में मदद करते हैं। यह शिक्षकों को अपने स्वयं के नोट्स जोड़ने और वीडियो के विषय पर क्विज चलाने की अनुमति देता है।

स्टार टीचर - जैसा कि नाम कहता है - अपस्किलिंग शिक्षकों के लिए है।

चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर सरस बताते हैं, 'हम शिक्षक गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हैं क्योंकि यदि आप छात्र परिणामों में सुधार करना चाहते हैं, तो छात्रों के सीखने के तरीके को बदलना होगा। यह, बदले में, (सकारात्मक रूप से) उनके कैरियर के परिणामों और यहां तक कि उनके जीवन को लंबे समय तक प्रभावित करता है। इस सबका श्रेय उनके शिक्षकों पर जाता है, क्योंकि वे वही हैं जो छात्रों को उनके प्रारंभिक वर्षों में सबसे अधिक प्रभावित करते हैं।'

कार्यक्रम - जो कुंभकोणम, मेलकोट, गणपति अग्रहारम जैसे स्थानों में स्कूलों द्वारा अपनाया गया है। यह प्रोग्राम - बाल विकास और प्रारंभिक बचपन के सीखने से संबंधित अवधारणाओं को समझने के लिए शिक्षकों पर फोकस है। गौरी कहती हैं, "ग्रामीण और अर्ध-शहरी स्कूलों में बहुत सारे शिक्षकों के पास बाल मनोविज्ञान, या प्रारंभिक बचपन सीखने से संबंधित अवधारणाओं, या शिक्षण विधियों को शामिल करने जैसी अवधारणाओं का कोई एक्सपोजर नहीं है।"

वह आगे कहती हैं, "वे (टीचर) नहीं जानते कि चार्ट कैसे बनाते हैं और उन्हें विजुअल एड्स के रूप में कैसे उपयोग करते हैं, या अपने छात्रों को कैसे सिखाते हैं। इन स्कूलों के प्रधानाचार्य लर्निंग को अधिक प्रभावी बनाना चाहते हैं, वे अपने छात्रों को सफल होते देखना चाहते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि इसके बारे में कैसे जाना जाए।' शिक्षकों ने अब इनोवेटिव तरीके सीखे हैं, जिसका अर्थ है कि छात्र अब वो होमवर्क नहीं कर रहे हैं जिसमें पांच बार उत्तर लिखना शामिल होता है। इसके बजाय, वे ऐसा होमवर्क कर रहे हैं जो उनके लिए अधिक दिलचस्प है।

सरस कहते हैं, "एक प्रिंसिपल ने हमें बताया कि पहले, अगर कोई शिक्षक समय पर कक्षा में नहीं पहुंचता है, तो छात्र उतावले हो जाते थे। लेकिन आज, अगर ऐसा होता है, तो वे शिक्षकों को याद दिलाने के लिए स्टाफ रूम खुद चलकर आते हैं।"

स्टार टीचर कार्यक्रम वह है जिसे संस्थापक 3-3-3 अप्रोच कहते हैं - यह एक शैक्षणिक वर्ष भर में लर्निंग मैटर्स के विशेषज्ञों द्वारा संचालित स्कूलों में थ्री इन-पर्सन ट्रेनिंग प्रोग्राम है। यह एक ही प्रशिक्षकों से तीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सत्रों के साथ मिक्स्ड है। इसके तहत शिक्षक अपने ट्रेनर्स या मेंटॉर से वन-ओन-वन कॉल करके सहायता लेते हैं।

लर्निंग मैटर्स की सीओओ गौरी बताती हैं, "यह व्यक्तिगत ध्यान शिक्षकों को उनकी चुनौतियों को साझा करने और हमारे अकैडमिक्स के हेड चेंदा जयचंद्रन के साथ चर्चा करने की अनुमति देता है।" यह मॉडल स्कूल के लिए लागत में कमी लाता है, जो प्रति माह 70 रुपये से 110 रुपये प्रति छात्र के बीच होता है।

अच्छे के लिए प्रौद्योगिकी

उस स्तर पर लागत को कम करने या कम रखने के लिए, टीम ने और अधिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। इसने कम्यूनिकेटिव इंग्लिश को चुना - जो अपने आप में एक आकर्षक है- यह एलेक्सा द्वारा संचालित वॉइस टीचर तारा नाम से दिया जाने वाला पहला कार्यक्रम था। सरस कहते हैं, "ग्रामर को काफी रोचक तरीके से सिखाया जाता है ये कोई बोरिंग लेसन नहीं होता है। और यह काफी जरूरी भी होता है। इन लेसन्स के दौरान वास्तविक जीवन की स्थितियों को ध्यान में रखा जाता है जहां छात्र अंग्रेजी के अपने नए-प्राप्त ज्ञान का उपयोग कर सकते हैं।" अब स्टार शिक्षक कार्यक्रम के बड़े हिस्से भी एलेक्सा द्वारा वितरित किए जाएंगे। गौरी आगे बताती हैं, 'ऐसे स्कूलों में शिक्षकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे हमेशा एक रोमांचक, आकर्षक तरीके से लेसन देना नहीं जानते। हम एक ऐसे समाधान पर काम कर रहे हैं, जहां शिक्षक कक्षा 5 के छात्रों के लिए प्रकाश संश्लेषण की तरह, कॉन्सेप्ट को सिखाने के लिए, सुझाव और जानकारी प्राप्त करने के लिए स्कूल में एलेक्सा-संचालित डिवाइस का उपयोग कर सकते हैं।'

अब तक, तारा के डेमो को इन स्कूलों में अच्छा साथ मिला है। "यह बात करता है!" लोगों की यह एक सामान्य प्रतिक्रिया रही है। जब तारा उनके सवालियों का जवाब देता है या उन्हें बधाई देता है, तो वह उत्साह अद्भुत होता है।

सीटीओ गोमती शंकर कहते हैं, 'हमने तारा बनाने के लिए गूगल या अमेजॉन के वॉइस असिस्टेंट्स में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक को बदल दिया है। हमने अपने इन-हाउस कंटेंट और शिक्षण विशेषज्ञता के साथ अमेजॉन एलेक्सा की हार्डवेयर और स्पीच-रिकग्निशन क्षमताओं को इंटीग्रेट किया है।" यह यहीं नहीं रुकता है। लर्निंग मैटर्स में तारा के लिए बड़ी योजनाएं हैं। वे बताते हैं, "हमने एक बैक-एंड प्लेटफॉर्म भी बनाया है जो हमारे कंटेंट डेवलपर्स को लेसन बनाने की अनुमति देता है और साथ ही तारा में जाने वाले कार्यक्रमों को सरल बनाता है।" तारा को पिछले सप्ताह तमिलनाडु के कुंभकोणम जिले में दो स्कूलों में लॉन्च किया गया था।

दीर्घकालिक सफलता के लिए गतिविधि-आधारित शिक्षा

क्लासरूम लर्निंग को और अधिक आकर्षक बनाने का एक और पहलू है जहां शिक्षकों के पास संसाधन नहीं हैं, वह है टूल बॉक्स। ये ऐसे सहायक उपकरण हैं जो अक्सर कई वर्गों और विषयों में उपयोग किए जा सकते हैं। वे सरलीकरण का एक तत्व

लाते हैं और फन के जरिए से सीखने को सुदृढ़ करते हैं।

सरस कहते हैं, "यह किट एक लैमिनेटेड बोर्ड के साथ आती हैं जो शिक्षक कक्षाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं यह दिखाने के लिए कि गतिविधि समाप्त होने के बाद भी क्या सीखा गया है।" कॉम्पोनेंट्स आसानी से पुनः प्रयोज्य होते हैं। फ्लैश कार्ड इत्यादि, गैर-टेस्टिकल पेपर से बने होते हैं। यदि शिक्षक टूल बॉक्स को कस्टमाइज करने का निर्णय लेते हैं, तो वे कार्ड के रिवर्स का उपयोग आसानी से कर सकते हैं और फिर अगली एक्टिविटी के लिए इसे मिटा सकते हैं।

व्यावसायिक मॉडल का विकास

इस तरह की पूछताछ ने लर्निंग मैटर्स को बी 2 बी सेगमेंट से आगे निकलकर बी 2 बी बाजार में बढ़ने पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है, जहां माता-पिता भी शिक्षण सामग्री खरीद सकते हैं। वे एक सीधे बी 2 सी मॉडल को भी देख रहे हैं जहां छात्र तारा-आधारित शिक्षण मॉड्यूल खरीद सकते हैं।

स्टार्टअप के सीईओ मूर्ती बताते हैं "यह समाधान बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के एक साथ घंटों तक काम कर सकता है।" और मानवीय हस्तक्षेप की कमी, यानी प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर उपयोग करना, इसका मतलब है कि समाधान बड़े पैमाने पर हो सकते हैं।

वह कहते हैं, 'स्केलेबिलिटी एक मुद्दा नहीं है। एक बार जब हम और अधिक तकनीक ले आएं, तो हमारे स्टार शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से बहुत से डिसेंट्राइज भी हो सकते हैं।" भारत जैसे बाजार में, जहां स्कूल-स्तर की शिक्षा खुद की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए तरस रही है वहां मौजूदा स्तर पर लागत को बनाए रखते हुए व्यक्तिगत ध्यान के साथ निरंतरता काफी महत्वपूर्ण है। दिलचस्प बात यह है कि टीम ने कभी भी मुफ्त में छूट नहीं दी या बड़ा डिस्काउंट नहीं दिया।

वह कहते हैं, "हम हर बिक्री पर लाभ कमाते हैं।" संस्थापकों ने कंपनी की स्थापना मित्रों और परिवार की फंडिंग से की। 14-इन-हाउस की टीम दर्जनों विषय विशेषज्ञों से भरी हुई है जो सलाहकार के रूप में काम करते हैं। पिछले तीन वर्षों से जो चीज इसे चलाए रखने में मदद कर रही है वह इन स्कूल के छात्रों, टीचर्स और प्रिंसिपल्स की प्रतिक्रिया।